

।। न्यायालय जिला कलक्टर जैसलमेर ।।

राजस्व अपील संख्या 4/2014

अपीलांदस	बनाम	रेस्पोडेंट्स
01. श्री गेभाराम पुत्र श्री पुरखाराम जाति जाट निवासी कपूरडी तहसील बाड़मेर जिला बाड़मेर हाल निवासी हरियासर राजमथाई तहसील भणियाणा जिला जैसलमेर।		01. श्री भंवरसिंह पुत्र श्री मंगलसिंह जाति राजपुत 02. श्री भीमसिंह पुत्र श्री मंगलसिंह जाति राजपुत 03. श्री महासिंह पुत्र श्री मंगलसिंह जाति राजपुत निवासीयान हरियासर राजमथाई तहसील भणियाणा जिला जैसलमेर
02. श्री कस्तुराराम पुत्र श्री पुरखाराम जाति जाट निवासी कपूरडी तहसील बाड़मेर जिला बाड़मेर हाल निवासी लापला तहसील बायतु जिला बाड़मेर।		04. श्रीमती चन्द्रकंवर बेवा स्व० श्री सवाईसिंह जाति राजपुत निवासी लखासर तहसील पोकरण जिला जैसलमेर 05. श्रीमती अमृत कंवर पत्नी श्री रूपसिंह जाति राजपुत निवासी तेजमालता तहसील फतेहगढ जिला जैसलमेर। 06. श्रीमती अगर कंवर पत्नी श्री प्रयागसिंह जाति राजपुत निवासी उण्डू तहसील शिव जिला बाड़मेर। 07. सरपंच ग्राम पंचायत राजमथाई तहसील भणियाणा। 08. तहसीलदार भणियाणौ

उपस्थिति :

1. श्री ए.आर. मेहर वकील अपीलान्त
2. श्री हरिसिंह भाटी, वकील रेस्पोडेंट सं. 1 से 3
3. श्री किसनसिंह भाटी रेस्पोडेंट सं. 4 से 6
4. पैरोकार राज वास्ते रेस्पोडेंट सं. 8

निर्णय

दिनांक : 25.08.2015

1. वकील अपीलान्त ने यह अपील धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 के तहत रेस्पोडेंट के विरुद्ध तहसीलदार भणियाणा के द्वारा राजस्व प्रकरण संख्या 6/ 2013 श्रीमती चन्द्र कंवर वगैरा बनाम सरपंच राजमथाई वगैरा म्यूटेशन रिमाण्ड प्रकरण में तहसीलदार भणियाणा द्वारा निर्णय दिनांक 09.01.2014 को पारित आदेश से अप्रसन्न होकर प्रस्तुत की है। अपील निर्धारित समयावधि से विलम्ब से प्रस्तुत करने के संबंध में अपीलान्तगण द्वारा लिमिटेशन एक्ट की धारा 5 के तहत प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र के प्रस्तुत किया गया, जिसके फलस्वरूप अपील न्यायालय में सब्जेक्ट टू लिमिटेशन के दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोडेंटस को सम्मन जारी किये गये। अपील में रेस्पोडेंट संख्या 7 बावजूद सम्मन तामीली के अनुपस्थित रहा है। अपील में अपीलान्तगण के आवेदन पत्र पर सुनवाई के उपरान्त अपीलाधीन आदेश दिनांक 09.01.2014 की अनुपालना एवं मौके तथा रेकॉर्ड की यथास्थिति आगामी ओदश तक कायम रखने का आदेश दिनांक 24.03.2014 को पारित किया गया। उक्त आदेश को न्यायालय द्वारा समय - समय पर बढ़ाया गया। अपीलाधीन आदेश से संबंधित मूल म्यूटेशन एवं अन्य रेकॉर्ड तलब किया गया। पक्षकारों की बहस दिनांक 07.07.2015 को सुनी गई।
2. अपील के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि ग्राम राजमथाई के नवसृजित ग्राम हरियासर के खसरा नम्बर 1413 रकबा 293.10 बीघा भूमि मंगल सिंह व सगत सिंह के नाम खातेदारी में दर्ज थी, मंगल सिंह फौत होने पर नामान्तकरण संख्या 121 भरा गया जिसमें मंगल सिंह के जाईन्दा पुत्रों रेस्पोडेंटस संख्या 1 से 3 के नाम नामान्तकरण भरा गया, श्री मंगल सिंह की पुत्रियों के नाम नामान्तकरण में नहीं भरा गया जिस पर रेस्पोडेंटगण संख्या 4, 5, 6 ने उपखण्ड अधिकारी के समक्ष नामान्तकरण के विरुद्ध



अपील संख्या 14 / 2011 करवाई जिस पर एसडीएम न्यायालय द्वारा अपील म्याद के बिन्दु पर दिनांक 29.12.2011 को अपील खारिज कर दी। जिसकी द्वितीय अपील रेस्पोंडेंटगण संख्या 4, 5, 6 द्वारा अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त जोधपुर में की गई जिस पर अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त द्वारा दिनांक 14.06.2012 को अपील आंशिक स्वीकार कर म्याद के बिन्दु तय कर अपील म्याद में मानते हुए मैरिट पर निर्णय हेतु प्रकरण रिमाण्ड तहसीलदार पोकरण को किया। तहसीलदार पोकरण द्वारा हरियासर भणियाणा तहसील क्षेत्राधिकार का होने से उक्त प्रकरण भणियाणा तहसीलदार को विधिवत सुनवाई हेतु स्थानान्तरित किया जिस पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा संबंधित पक्षों को सुनकर अपने निर्णय व आदेश दिनांक 09.01.2014 के तहत स्व० मंगल सिंह के तीनों पुत्रों व तीनों पुत्रियों के नाम नये सिरे से नामान्तरण दर्ज करने के आदेश दिए।

3. अपीलान्टस ने न्यायालय तहसीलदार भणियाणा के उक्त आदेश के विरुद्ध अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 के तहत इस न्यायालय में प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि उक्त निर्णय की भूमि में खसरा नम्बर 1413 रकबा 70 बीघा भूमि का बेचान खातेदार महासिंह द्वारा दिनांक 06.01.2010 को अपीलांटगण के पक्ष में बेचान कर अपना सम्पूर्ण हिस्सा का बेचान कर कब्जा अपीलान्ट को दिया तब से अपीलांट गत 14 वर्षों में खसरा नम्बर 1413 की 70 बीघा भूमि पर बतौर खातेदार काबिज है, मगर अपीलाधीन आदेश पारित करने के समय बमिलावट उक्त तथ्य को छुपाकर निर्णय करवाकर 70 बीघा भूमि में भी रेस्पोंडेंटगण के नाम का इन्द्राज कर लिया जो विधि विधान न्याय सिद्धान्तों के प्रतिकूल होने से आदेश अपास्त योग्य है। अपीलांट का खसरा नम्बर 1413 की 70 बीघा भूमि पर सपरिवार रहवास है, पानी का टांका, रहवासी मकान है, राजस्व रिकार्ड में उसका अलग से हिस्सा है, मौके पर वास्तविक व भौतिक रूप से कब्जा है, नक्शा में अलग से तरमीम है, ऐसे में बेचान हिस्से का नामान्तरण से हटाया जाना विधि विधान न्याय सिद्धान्तों के प्रतिकूल आदेश होने से खारिज योग्य है। अतः अपील अपीलांटगण मय धारा 5 म्याद अधिनियम मय शपथ पत्र पेश कर निवेदन किया है कि अपील स्वीकार फरमाकर अधीनस्थ न्यायालय का अपीलाधीन आदेश अपास्त फरमावे। अपीलांट के हिस्से का राजस्व रिकार्ड खरीद अनुसार, बंटवारा अनुसार तरमीम अनुसार यथावत रखने का न्यायोचित आदेश फरमाने का निवेदन किया है।
4. इस संबंध में रेस्पोंडेंटस संख्या 1 से 3 के द्वारा इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संबंध में कानूनी आपत्ति का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि इस न्यायालय में प्रस्तुत प्रथम अपील जो तहसीलदार भणियाणा के आदेश के विरुद्ध की गई है, उक्त अपील को सुनने का अधिकार क्षेत्र इस न्यायालय को नहीं होकर संभागीय आयुक्त व अतिरिक्त संभागीय आयुक्त को है, इस कारण अपीलान्ट की अपील बिना क्षेत्राधिकार की होने से खारिज की जावे। रेस्पोंडेंटस संख्या 4 से 6 के द्वारा भी इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संबंध में भी इस न्यायालय में प्रस्तुत प्रथम अपील जो तहसीलदार भणियाणा के आदेश के विरुद्ध की गई है, उक्त अपील को सुनने का अधिकार क्षेत्र इस न्यायालय को नहीं होकर संभागीय आयुक्त व अतिरिक्त संभागीय आयुक्त को है, इस कारण अपीलान्ट की अपील बिना क्षेत्राधिकार की होने से खारिज की जावे।
5. अपील में वकील रेस्पोंडेंट के द्वारा प्रस्तुत सुनवाई के संबंध में इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संबंध में प्रस्तुत कानूनी आपत्ति के संबंध में पक्षकारों की बहस सुनी गई एवं कानूनी बिन्दुओं एवं न्यायालय में पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्तों का अध्ययन किया गया। वकील अपीलांट के द्वारा निवेदन किया गया कि इस मामले में तहसीलदार भणियाणा के द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 75 के तहत प्रथम अपील सुनवाई का क्षेत्राधिकार माननीय न्यायालय का है, अतः वकील रेस्पोंडेंटस संख्या 1 से 6 के द्वारा इस संबंध में न्यायालय में न्यायिक दृष्टान्त दुर्गाशंकर बनाम कैलासी बाई आरआरडी 1997 पृष्ठ 197, विमल कुमार बनाम महावीर प्रसाद व अन्य आरआरडी 2010 पृष्ठ 614 एवं अन्य न्यायिक दृष्टान्त प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि उक्त दृष्टान्त इस मामले में पूर्णतया लागू होते हैं, अतः अपील अपीलांटस खारिज की जावे।
6. प्रस्तुत अपील में स्वीकृत तथ्य इस प्रकार से है कि रेस्पोंडेंटस संख्या 1 से 6 के पिता मंगल सिंह एवं उनके चाचा सगत सिंह के वारिस ( उत्तराधिकारी ) होने से उनके विरासत का नामान्तरण ग्राम पंचायत द्वारा रेस्पोंडेंट संख्या 1 से 3 के पक्ष में तस्दीक किया गया। इसके विरुद्ध अपील रेस्पोंडेंट संख्या 4 से 6 के द्वारा न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पोकरण में प्रस्तुत की गई, जिसे न्यायालय के द्वारा म्याद के बिन्दु पर खारिज किया गया। उक्त निर्णय के विरुद्ध द्वितीय अपील अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जोधपुर के न्यायालय में प्रस्तुत की गई, जिसमें अपील न्यायालय के द्वारा निर्णय दिनांक 14.06.2012 के द्वारा नामान्तरण संख्या 121 विधि सम्मत नहीं होने से एवं न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पोकरण के निर्णय दिनांक 29.11.2011 को म्याद के बिन्दु पर अपील खारिज करने के निर्णय को विधि विरुद्ध होने से निरसत किया जाकर मामला न्यायालय तहसीलदार को मृतक खातेदार मंगल सिंह के विधि वारिसान की जांच कर दोनों पक्षों की सुनवाई का समुचित अवसर दिया जाकर पुनः नये सिरे में नामान्तरण निस्तारण की कार्यवाही करने के निर्देश के साथ प्रकरण प्रति प्रेषित ( रिमाण्ड )



किया गया। इसके अतिरिक्त अपीलान्त के द्वारा भी नामान्तरण संख्या 121 के संबंध में इस आधार पर अपील प्रस्तुत की गई है कि भंवरसिंह रेस्पोडेंट संख्या 1 द्वारा अपने हिस्से क्री 1/3 भूमि का बेचान दिनांक 25.01.2012 को अपीलांत खेताराम के पक्ष में कर अपना सम्पूर्ण हिस्सा का बैचान कर कब्जा अपीलान्त को सुपेर्द किया, तब से अपीलांत गत 14 वर्षों से खसरा नम्बर 1472 की 57 बीघा 12 बिस्वा भूमि पर बतौर खातेदार काबिज है, किन्तु अपीलाधीन आदेश पारित करने के समय बमिलावट उक्त तथ्य को छुपाकर निर्णय करवाया जाकर 57.12 बीघा भूमि में भी रेस्पोडेंटस संख्या 1 से 6 के नाम इन्द्राज कर लिया गया जो विधि विधान न्याय सिद्धान्तों के प्रतिकूल होने से अपास्त योग्य है। इस प्रकार प्रकरण में पक्षकारों ने विवादित भूमि के संबंध में स्वीकृत किये गये विरासत के नामान्तरण को चुनौती दी है। इससे स्पष्ट है कि यह नामान्तरण विवादित है एवं ऐसे विवादित नामान्तरण का निस्तारण करने का क्षेत्राधिकार धारा 135 ( 2 ) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 के तहत तहसीलदार को है।

7. वर्तमान प्रकरण में विवादित नामान्तरण तहसीलदार द्वारा तस्वीक किया गया है। ऐसे आदेश के विरुद्ध अपील सुनने का क्षेत्राधिकार 75 ( 1 ) ( एफ ) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत निदेशक भू अभिलेख को है। निदेशक भू अभिलेख की शक्तियाँ संभागीय आयुक्त / अतिरिक्त संभागीय आयुक्त को प्रदत्त की हुई है। इस मामले में वकील रेस्पोडेंटस के द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्त भी इस मामले में पूरी तरह चस्पा होते हैं। ऐसी स्थिति में तहसीलदार भणियाणा के अपीलाधीन आदेश दिनांक 09.01.2014 के विरुद्ध अपील सुनने का क्षेत्राधिकार संभागीय आयुक्त / अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जोधपुर ( संभागीय आयुक्त द्वारा निर्धारित क्षेत्राधिकार ) को है। अतः इस मामले में वकील रेस्पोडेंट संख्या 1 से 6 के द्वारा इस न्यायालय के सुनवाई के क्षेत्राधिकार के संबंध में प्रस्तुत की गई कानूनी आपत्ति का प्रार्थना पत्र स्वीकार करने योग्य है।
8. उपरोक्त विवेचन के अनुसार वकील रेस्पोडेंट संख्या 1 से 6 के द्वारा प्रस्तुत की गई कानूनी आपत्ति का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है एवं उक्त अपील सुनने का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय का नहीं होने से अपीलान्त के द्वारा प्रस्तुत अपील उसे सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए लौटाई जाने का आदेश पारित किया जाता है। पक्षकार अपना - अपना व्यय स्वयं वहन करें।



निर्णय आज दिनांक 25.08.2015 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



*Sharma*  
( विश्व मोहन शर्मा )  
जिला कलेक्टर  
जोधपुर

*Sharma*  
जिला कलेक्टर  
जोधपुर